B.Ed. 1st year

Subject :- Teaching of social science

Topic :- कम्प्यूटर सहायक अनुदेशन
[Computer Assisted Instruction]

सामान्य परिचय

कम्प्यूटर सहायक अनुदेशन से आशय है कि एक ऐसा अनुदेशन जो कम्प्यूटर की सहायता से दिया जाता है। कम्प्यूटर स्वतः अनुदेशनात्मक पद्धति का एक उपकरण है। (individualized instruction) के लिए किया जाता है। कम्प्यूटर ने उद्योग, व्यापार, शासन प्रणाली को अधिक प्रभावित किया किन्तु इसके प्रभाव को शिक्षा प्रणाली और विद्यालय में भी स्पष्ट रूप से देखा समझा जा सकता है। शिक्षण के क्षेत्र में अनुदेशन पद्धति, शोध अनुसंधान कार्य परीक्षा प्रणाली आदि कि दृष्टि से कम्प्यूटर का प्रभाव स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर होता है। यही प्रभाव कम्प्यूटर को विद्युत मास्तिष्क (electronic brain) की संज्ञा देते है। शिक्षा में कम्प्यूटर मुख्य रूप से तीन प्रकार उपयोग में आता है।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

① पहला → शोध उपकरण के रूप में।
② दूसरा → प्रबंध उपकरण के रूप में और उच्च शिक्षा में लोकप्रिय है।
③ तीसरा → उपकरण शिक्षण अधिगम मशीन के रूप में अब यह अधिक तेजी से अत्यन्त लोकप्रिय हो रहा है।

कम्प्यूटर सहायक अनुदेशन अनेक प्रकार से छात्रों को अनुदेशन प्रदान करता है और छात्रों की रुचि, क्षमता, अभिवृत्ति एवं उपलब्धि के आधार पर तैयार किया जाता है। कम्प्यूटर सीखने की प्रक्रिया पर नोट्स तैयार किए जाते हैं। कम्प्यूटर में श्रृंखला (लीनियर, linear) और शाखीय (ब्रांचींग, branching), अभिक्रमित अधिगम (Program -mmed learning) का प्रयोग होता है।

कम्प्यूटर सामान्य रूप में विद्युत शक्ति से चलने वाली एक इलेक्ट्रानिक मशीन है। इसमें गणितीय गणनाएँ करने और स्टोर करने की विशेष क्षमता होती है व आवश्यकता होने पर सूचनाओं और आँकड़ों को चयन द्वारा तुरन्त प्रदान कर देता है। अतः कम्प्यूटर की सहायता से दी जाने वाली शिक्षा छात्र को सक्रिय रखती है। यह एक हार्डवेयर उपकरण है। इसमें प्रोग्राम बनाकर फीड (Feed) किया जाता है।

P.T.O.

कम्प्यूटर सहायक अनुदेशन का उपयोग

कम्प्यूटर का प्रयोग जीवन के प्रत्येक क्षेत्र उद्योग, व्यापार, सेना, शिक्षा, आदि सभी क्षेत्रों में किया जाता है। जीवन की अनेक जटिल समस्याओं को आसान कर दिया है। शिक्षा के क्षेत्र में कम्प्यूटर की उपयोगिता को हम निम्नलिखित रूप में अभिव्यक्त करते हैं-

शिक्षण एवं अनुदेशन में उपयोगिता

कम्प्यूटर का प्रयोग शिक्षण व अनुदेशन में किया जाता है। कम्प्यूटर अनुदेशन की व्यवस्था है और इसका विशेष प्रयोग व्यक्तिगत अनुदेशन के लिए किया जाता है। कम्प्यूटर ऐसा साधन है जिस पर कई प्रकार के छात्र एक समय में पाठ्यवस्तु के कई अनुदेशनों का अध्ययन करते हैं।

शैक्षिक निर्देशन एवं परामर्श में उपयोगिता

कम्प्यूटर का प्रयोग निर्देशन एवं परामर्श की दृष्टि से उपयोगी है। यह शैक्षिक निर्देशन हेतु अनुदेशन देता है और उनकी कमजोरियों का निदान करता है।

अनुसंधान कार्य में उपयोगिता

कम्प्यूटर का प्रयोग शोध कार्यों में किया जाता है। प्रदत्तों का संकलन कर उनका विश्लेषण करने में कम्प्यूटर का प्रयोग किया जाता है। इसके माध्यम से छात्रों को अभ्यास भी कराया जाता है।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

शिक्षा तथा परीक्षण में उपयोगिता

कम्प्यूटर का प्रयोग शिक्षा व परीक्षण दोनो के लिए किया जाता है। इसके द्वारा छात्रों को सरलता से शिक्षा दी जाती है। छात्रों को उनकी गति, समय के अनुसार स्वयं सीखने के अवसर दिए जाते हैं। और वस्तुनिष्ठ प्रश्न पोषण भी किया जाता है। समय सारणी का निर्माण, शिक्षकों के वेतन, प्रवेश परीक्षा अंक तालिका, प्रमाण पत्र में भी अत्यन्त उपयोगी है।

अनुकरणीय प्रयोगशाला के रूप में उपयोगिता

कम्प्यूटर से छात्रों को व्यक्तिगत अवधान कराया जाता है। छात्रों की रुचि, क्षमता, आयुवृद्धि व अवधि के आधार मानकर व्यक्तिगत अनुदेशन तैयार किया जाता है।

सूचनाओं एवं आँकड़ो का विशाल भण्डार की दृष्टि से उपयोगी

कम्प्यूटर में स्टोरेज (Storage) करने की विशेष क्षमता होती है। इसमें सूचना व आँकड़ो का विशाल भण्डार होता है। आवश्यकता पड़ने पर चयन द्वारा तुरन्त वांछित सूचनाएँ उपलब्ध हो जाती हैं।

कम्प्यूटर प्रबन्धकीय अनुदेशन के रूप में उपयोगिता

इसके द्वारा छात्रों से सीधा अतः प्रक्रिया से सम्बद्ध रखकर पाठ को प्रस्तुत किया जाता है। इसके द्वारा छात्रों को अपने कार्यों की सफलता व असफलता का ज्ञान हो जाता है।

Thankyou

By
Mr. Parveen Raj
Asst. Prof.
B.R.C. Deoband (SRE)

Scanned with CamScanner